केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आंचलिक कार्यालय
भोपाल

आंचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2016 के उपलक्ष में दिनांक 3 जून 2016 को कार्यालय में समस्त अधिकारी एवम् कर्मचारियों के बीच पर्यावरण संरक्षण तथा वन्यजीव संरक्षण विषय पर वार्ता/बैठक का आयोजन किया गया।

श्री सुनील कुमार मीणा, वैज्ञानिक 'ग' द्वारा वर्ष 2016 के पर्यावरणीय थीम **'Go Wild For Life'** के बारे में अवगत कराया गया। दक्षिणी अफ्रीका के एंगोला शहर जोकि इस वर्ष हाथियों के संरक्षण के प्रयासों के चलते विश्व पर्यावरण दिवस 2016 का मेजबान चुना गया है। आंचलिक अधिकारी महोदय द्वारा सभी को वृक्षारोपण हेतु स्वत: प्रेरित होकर कार्य करने का सन्देश दिया गया। श्री जगन द्वारा सैवेज प्रबंधन एवम् बढ़ते ई-वेस्ट के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यालय के अन्य अधिकारी कर्मचारीगण द्वारा पर्यावरण विषय पर अपने विचार व्यक्त किये गए।

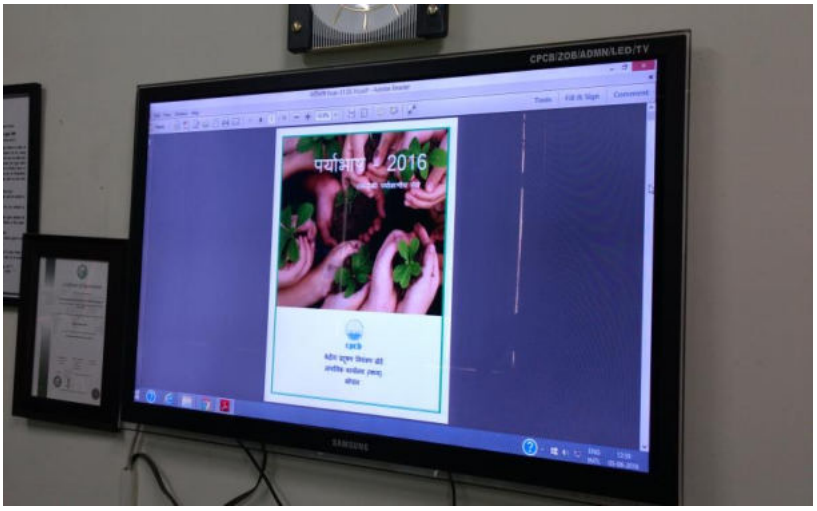

आंचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा तकनीकी लेखों का संकलन कर एक हिंदी तकनीकी पत्रिका "**पर्याभाष**" तैयार की गई है। जिसका **अनावरण** आंचलिक अधिकारी महोदय द्वारा 3 जून 2016 को पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में किया गया। उपरोक्त पत्रिका में आंचलिक कार्यालय बेंगलुरु, लखनऊ, कोलकाता तथा मुख्यालय से भी लेख प्राप्त हुए है। पत्रिका को मुख्यालय की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आंचलिक कार्यालय
भोपाल

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आंचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2016 के उपलक्ष में जन जागृति कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक कार्यक्रम **वरिष्ठ नागरिक मंडल, भोपाल** के साथ 5 जून 2016 को 10 नंबर मार्केट पर स्थित मंडल कार्यालय में किया गया। जिसका आयोजन मंडल के पदेन सदस्य श्री एस एस रघुवंशी जी द्वारा किया गया। कार्यालय से श्री सुनील कुमार मीणा, वैज्ञानिक 'ग' द्वारा हिस्सा लिया गया जिन्हें कार्यालय के श्री प्रह्लाद बघेल एवम् श्री सलामुद्दीन ने सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में वरिष्ठ नागरिक मंडल के पदेन सदस्यों एवम् साथियों के साथ 10 नंबर मार्केट में एक रैली का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत लोगो में पर्यावरण सुरक्षा एवम् अपने परिवेश की साफ़ सफाई रखने के बारे में राहगीरों एवम् रहवासियों को सन्देश एवम् जानकारी दी गई।

उपरोक्त रैली के उपरान्त वरिष्ठ नागरिक आयोग के अध्यक्ष श्री धर्माधिकारी की अध्यक्षता मे कार्यक्रम को मंचासीन अतिथियों के स्वागत के साथ प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सुनील मीणा, वैज्ञानिक 'ग' द्वारा अपने तकनीकी सम्बोधन में वर्ष 2016 के पर्यावरणीय थीम **'Go Wild For Life'** के बारे में अवगत कराया गया। दक्षिणी अफ्रीका के **एंगोला शहर** जोकि इस वर्ष हाथियों के संरक्षण के प्रयासों के चलते विश्व पर्यावरण दिवस 2016 का मेजबान चुना गया है। साथ ही श्री मीणा द्वारा बताया गया की किस प्रकार मई 2016 में अमेरिका के शहर **'सिनसिनीटी'** के चिड़ियाघर में दर्शक की लापरवाही के कारण आपदा प्रबंधन तंत्र के विफल होने के चलते विलुप्त प्रायः गोरिल्ला प्रजाति **'हराम्बे'** को मारा गया। किस प्रकार तमिलनाडु एवं कर्नाटक के जंगलों के **कुख्यात वीरप्पन** ने 200 से अधिक हाथियों को मारा और कई चन्दन के वृक्ष भी काटे। उनके द्वारा यह भी बताया गया की किस तरह से विश्व प्रसिद्ध **'टाइगर टेम्पल'** का इस्तेमाल निरीह जानवरो की अवैधानिक तस्करी की तरह किया जा रहा था। साथ ही श्री मीणा द्वारा बताया जाए कि किस प्रकार जल के अत्यधिक दोहन के कारण आज जल बहुत ही गहराई में चला गया है तथा महात्मा गांधी के उस संदेश को भी बताया गया जिसके अंतर्गत कहा गया था कि **'प्रकृति में आपके लिए पर्याप्त है लेकिन आपके लालच के लिए नहीं'।** मानव जाति के लालच के चलते कुछ लोग के पास अत्यधिक मात्रा में सामग्री संग्रहित हैं वहीं कुछ के पास कुछ भी नहीं। मानव जाति ने प्रकृति का असंतुलित दोहन किया है।

2015 व 16 में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा जारी नए नियमो जैसे **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन**, **ई-अपशिष्ट प्रबंध** के बारे मे भी अवगत कराया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा तैयार '**डांस फॉर इन्वायरमेंट**' वीडियो की प्रस्तुति भी की गई।

उपरोक्त के पश्च्यात, वरिष्ठ नागरिक मण्डल के सदस्यों द्वारा ठोस अपशिष्ट के प्रबंधन में नगरीय प्रशासन द्वारा नाकाफी प्रयासों के बारे में चिंता व्यक्त की गयी तथा बिगड़ती आबोहवा के बारे में भी चर्चा की गयी।

कार्यक्रम में उपस्थित श्री रामप्रसाद, आईएफएस अधिकारी द्वारा अपने कार्यकाल में जैव विविधता के प्रबंधन में किये गए कार्यों के बारे मे बताया गया एवम् प्रकृति में विविधता के महत्त्व से अवगत कराया गया। वरिष्ठ नागरिक मंडल द्वारा पर्यावरण क्षेत्र में श्री रामप्रसाद जी द्वारा किये गए कार्यो के फलस्वरूप 'स्मरण पत्र' प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष द्वारा युवा पीढ़ी के प्रकृति से जुड़ने हेतु आह्वान किया गया तथा विचार व्यक्त किया गया कि यह हमारी जिम्मेवारी है कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए अच्छे वातावरण को बनाये रखे।

उपरोक्त पश्च्यात कार्यक्रम में उपस्थित को धन्यवाद प्रेषित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून प्रति वर्ष
पर्यावरण का संरक्षण कीजिए
5G

वरिष्ठ नागरिक मण्डल
SENIOR CITIZENS FORUM
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून प्रति वर्ष
पर्यावरण का संरक्षण कीजिए
वरिष्ठ नागरिक मंडल
GO WILD FOR LIFE

वरिष्ठ नागरिक मण्डल
SENIOR CITIZENS FORUM
विश्व पर्यावरण दिवस
पर्यावरण का संरक्षण कीजिए
vivitek

SENIOR CITIZENS
विश्व पर्यावरण
5 जून प्रति वर्ष
पर्यावरण का संरक्षण

SENIOR CITIZENS FORUM
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून प्रति वर्ष
पर्यावरण का संरक्षण कीजिए

वरिष्ठ नागरिक मण्डल
SENIOR CITIZENS FORUM
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून प्रति वर्ष
पर्यावरण का संरक्षण कीजिए
वरिष्ठ नागरिक मंडल
vivitek